Name :- Soni Kumari
class :- B.A III year
Deptt :- Sanskrit

समास
सप्तमी शौण्डैः

प्रस्तुत सूत्र वरदराज विरचित लघुसिद्धान्त के समास प्रकरण से उद्धृत है। यह एक विधिसूत्र है। चूंकि मात्र 'सप्तमी शौण्डैः' कहने से सूत्र सूत्र का अर्थ स्पष्ट नहीं होता अतः सूत्र का अर्थ स्पष्ट करने के लिए 'प्राक्कडारात्समास', सह सुपा एवं तत्पुरुष की अनुवृत्ति करते है, शौण्डैः से तात्पर्य है शौण्डादि गण में पठित शौण्ड, धूर्त, कितव आदि। 'प्रत्ययग्रहणे तदन्तग्रहणम्' इस परिभाषा से सूत्रस्थ 'सप्तमी' से 'सप्तम्यन्त का ग्रहण होता है। अतः सूत्र का अर्थ है — सप्तम्यन्त पद जहाँ शौण्ड आदि के साथ समस्त होता है तथा उस समास को ~~तत्~~ तत्पुरुष समास कहते है।

उदा० — अक्षेषु शौण्डः (खेल में चतुर)

इस विग्रह में सप्तम्यन्त पद 'अक्षेषु' का शौण्ड के साथ सप्तमी शौण्डैः से समास होने पर प्रातिपदिकादि कार्य के बाद 'अक्षशौण्डः' रूप बनता है।